



प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने आगरा, उत्तर प्रदेश में 14 जनवरी, 2023 को "साइबर अपराध से अपने बिजनेस की सुरक्षा कैसे करें" और हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए "डिजाइन, ट्रेंड और फोरकास्ट" पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया

नई दिल्ली- 14 जनवरी, 2023- हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद् (ईपीसीएच) ने आगरा, उत्तर प्रदेश में 14 जनवरी, 2023 को "साइबर अपराध से अपने बिजनेस की सुरक्षा कैसे करें" और हस्तशिल्प निर्यातकों के लिए "डिजाइन, ट्रेंड और फोरकास्ट" पर एक जागरूकता सेमिनार का आयोजन किया।

ईपीसीएच महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया कि इस आयोजन के दौरान श्री अवधेश अग्रवाल, सहयोजित सदस्य - सीओए, ईपीसीएच और अध्यक्ष - आईएचजीएफ दिल्ली फेयर स्पिंग 2023 रिसेप्शन कमेटी; श्री अनुज कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग और जीएम डीआईसी, आगरा; श्री विजय तोमर, सीसीओ साइबर सेल यूपी पुलिस; श्री सुल्तान सिंह, निरीक्षक (प्रभारी), अपराध प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश पुलिस; श्री राकेश कुमार, सहायक डीजीएफटी, जोनल डीजीएफटी सीएलए कानपुर; डॉ. मुकेश शर्मा (आईईएस), सहायक निदेशक, एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, आगरा; श्री रक्षित टंडन, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ; श्री रजत अस्थाना, संयुक्त संयोजक - क्षेत्रीय समिति मध्य क्षेत्र, ईपीसीएच; श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच; ईपीसीएच के प्रमुख डिजाइनर सुश्री अमला श्रीवास्तव और आगरा के प्रमुख निर्यातक मौजूद थे उपस्थित थे।

श्री राजेश रावत, अतिरिक्त कार्यकारी निदेशक - ईपीसीएच ने डीजीएफटी से सभी अधिकारियों, इंडस्ट्री व जीएम-डीआईसी के जॉइंट कमिश्नर, यूपी पुलिस के साइबर अपराध विभाग, ईपीसीएच के प्रशासनिक समिति के सदस्यों और आगरा के जाने माने निर्यातकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि यह सेमिनार निर्यातकों को साइबर अपराध से उनके बिजनेस को सुरक्षित रखने के उपायों को समझने और हस्तशिल्प के नवीनतम डिजाइन, ट्रेंड और फोरकास्ट की गहरी समझ पैदा करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि ईपीसीएच अखिल भारतीय स्तर पर विशेषज्ञों के जरिए जागरूकता सेमिनारों की सिरीज आयोजित करने में हमेशा सबसे आगे रहा है।

ईपीसीएच के श्री अवधेश अग्रवाल को-ऑर्डिनेट सदस्य सीओए और आईएचजीएफ दिल्ली फेयर स्पिंग 2023 रिसेप्शन कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि बिजनेस से जुड़ी जानकारी एक अमूल्य पूंजी है जिसमें अनधिकृत बदलाव करने और उसे सबके सामने उजागर किए जाने से सुरक्षित किया जाना चाहिए। साइबर अपराधियों के खिलाफ हमारी सबसे पुख्ता सुरक्षा ही इसे रोकने में मददगार साबित होगी. मौजूदा कारोबारी माहौल में साइबर सुरक्षा का महत्व काफी बढ़ गया है और सदस्य निर्यातकों को इसके सुरक्षा उपायों को लेकर जागरूक करने की जरूरत है।

ईपीसीएच के क्षेत्रीय समिति मध्य क्षेत्र के संयुक्त संयोजक श्री रजत अस्थाना ने कहा कि कोरोना महामारी के बाद की झलक संभावनाओं को प्रोत्साहित करती है। ग्राहक खुद के नए पहलुओं को खंगालने और उसका आनंद लेने को उत्साहित हैं, लिहाजा निर्यातकों को अपने उत्पादों को तैयार करने से पहले उपभोक्ताओं की मानसिकता को समझना चाहिए।

श्री अनुज कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग और जीएम डीआईसी, आगरा ने कहा कि जिला उद्योग केंद्रों का प्रबंधन और संचालन जिला स्तर पर किया जाता है ताकि उद्यमियों या पहली बार व्यापार करने वालों को वे सभी सहायता सेवाएँ दी जा सकें जिनकी उन्हें अपने स्वयं के एमएसएमई शुरू करने के लिए आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त, डीआईसी औद्योगिक सहकारी समितियों के निर्माण और विकास का समर्थन करते हैं। उन्होंने निर्यातकों से 'निवेश सारथी' पोर्टल पर अपने इरादे को आगे बढ़ाने का भी आग्रह किया ताकि उत्तर प्रदेश सरकार और डीआईसी क्षेत्र की आवश्यकता को समझ सकें और उन्हें तदनुसार नीतियां बनाने में सक्षम बना सकें।

डॉ. मुकेश शर्मा (आईईएस), सहायक निदेशक एमएसएमई विकास एवं सुविधा कार्यालय, आगरा ने बताया कि एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार देश से एमएसएमई को आकार देने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है क्योंकि हस्तशिल्प एमएसएमई के प्रभुत्व वाला एक कुटीर उद्योग है। योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई द्वारा विभिन्न पहल की जा रही हैं। उन्होंने आगे कहा कि एमएसएमई विभाग ने वित्त, कच्चा माल, श्रम, अनुमति आदि जैसी कठिन परिस्थितियों में एमएसएमई की मदद के लिए 'चैपियंस पोर्टल' और 'समाधान पोर्टल' लॉन्च किया है।

श्री सुल्तान सिंह, इंस्पेक्टर (प्रभारी), साइबर सेल यूपी पुलिस के साथ श्री विजय तोमर, सीसीओ साइबर सेल यूपी पुलिस ने प्रतिभागियों को सूचित किया कि साइबर अपराध से संबंधित अपराध बढ़ रहे हैं, क्योंकि साइबर अपराधी लोगों की कमजोरियों का फायदा उठाते हैं। ऑनलाइन धोखाधड़ी का सबसे आम प्रकार बैंकों से संबंधित है, जिसमें धोखेबाज खुद को बैंक अधिकारी बताते हैं और पीड़ितों को ओटीपी, केवाईसी अपडेट साझा करने के लिए राजी करते हैं, और कभी-कभी बैंक खातों तक पहुंचने के लिए क्लिक करने के लिए लिंक भेजते हैं। अधिकारियों ने आश्चस्त किया कि पुलिस साइबर अपराध के पीड़ितों की सहायता के लिए हमेशा तैयार है और उनसे सतर्क, जागरूक रहने और ऐसे किसी भी मामले की रिपोर्ट करने में संकोच न करने का आग्रह किया। उन्होंने विभिन्न प्रकार के साइबर क्राइम पर भी चर्चा की और उनसे बचने के लिए स्मार्ट मॉडल प्रदान किया।

साइबर सुरक्षा एक्सपर्ट श्री रक्षित टंडन ने जानकारी से भरपूर एक प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने व्यक्तिगत जानकारी की हैकिंग, रैनसमवेयर जैसे प्रमुख बिजनेस खतरों, डेटा ब्रीच, प्रमुख बिजनेस खतरों, इम्पर्शनशन (छद्म रूपधारण), सिम स्विपिंग (मोबाइल सिम पर कंट्रोल हासिल करना), वित्तीय धोखाधड़ी और इस तरह की अन्य चीजों का उदाहरण दिया। उन्होंने ये भी बताया कि साइबर अपराध से कैसे बचा जा सकता है और इसे रोकने के उपायों के लिए सुझाव भी दिए, जैसे- कारगर एंटी-वायरस सॉफ्टवेयर के उपयोग से वायरस और मैलवेयर से सुरक्षा, ऑपरेटिंग सिस्टम और इंटरनेट सुरक्षा के लिए अपडेटेड सॉफ्टवेयर का होना जरूरी है, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सभी निजी जानकारियों को लॉक रखा जाना चाहिए, इत्यादि।

श्री राकेश कुमार, सहायक डीजीएफटी, डीजीएफटी सीएलए कानपुर ने कहा कि डीजीएफटी योजनाओं और प्रोत्साहनों ने भारत के निर्यात को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निर्यातकों को अपना निर्यात बढ़ाने में मदद करने के लिए इंटरनेट इकालाइज़ेशन योजना, ईपीसीजी योजना, एमएआई योजना, डीएफआईए और अन्य योजनाएं उपलब्ध हैं।

ईपीसीएच की हेड डिजाइनर सुश्री अमला श्रीवास्तव ने वर्चुअल रूप से प्रतिभागियों को 2024 के लिए उभरती प्रवृत्ति और डिज़ाइन के बारे में सूचित किया कि वैश्विक बाज़ार देख रहा है और निर्माताओं को सबसे हाल के रुझानों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता देनी चाहिए जिसके माध्यम से ग्राहक आकर्षित होते हैं।

इस दौरान प्रतिभागियों ने डिजाइन, ट्रेंड और फोरकास्ट, साइबर सुरक्षा के तरीकों, मार्केटिंग और अनुपालनों इत्यादि से जुड़े कई सवाल पूछे। अधिकारियों ने सभी सवालों के जवाब दिए और निर्यातकों के प्रश्नों का समाधान किया।

ईपीसीएच देश से दुनिया के विभिन्न गंतव्यों में भारतीय हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और उच्च गुणवत्ता के हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विदेशों में भारतीय छवि को पेश करने वाली एक नोडल एजेंसी है। ईपीसीएच के महानिदेशक श्री राकेश कुमार ने बताया कि साल 2021-22 के दौरान 33253.00 करोड़ रुपये (4459.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का निर्यात हुआ था जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में रुपये के संदर्भ में 29.49% जबकि डॉलर के संदर्भ में 28.90% की वृद्धि दर्ज की गई थी।

विस्तृत जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राकेश कुमार, महानिदेशक, ईपीसीएच

+91- 9818272171



"EPCH HOUSE" POCKET 6 & 7, SECTOR - C, L.S.C., VASANT KUNJ, NEW DELHI-110 070

Tel.: +91-11-26135256 / 57 / 58

Fax: +91-11-26135518 / 19

E-mail: mails@epch.com

Web : www.epch.in

PRESS RELEASE

EPCH Organised a Seminar on "How to Safeguard Your Business from Cyber Crime" and "Design, Trends & Forecast for Handicraft Exporters" at Agra on 14th January, 2023

New Delhi - 14th January, 2023 - The Export Promotion Council for Handicrafts organised an awareness seminar on "How to Safeguard Your Business from Cyber Crime" and "Design, Trends & Forecast for Handicraft Exporters" at Agra, Uttar Pradesh on 14th January, 2023.

Shri Avdesh Agrawal, Co-opted Member - COA, EPCH & President - IHGF Delhi Fair Spring 2023 Reception Committee; Shri Anuj Kumar, Joint Commissioner Industries & GM DIC, Agra; Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security expert; Shri Sultan Singh, Inspector (In-charge), Crime Cell Uttar Pradesh Police; Shri Rakesh Kumar, Asst. DGFT, Zonal DGFT CLA Kanpur; Dr. Mukesh Sharma (IES), Asstt. Director, MSME Development & Facilitation Office, Agra; Shri Rajat Asthana, Joint Convenor - Regional Committee Central Region, EPCH; Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director - EPCH; Ms Amla Srivastava, Head Designer - EPCH & leading exporters from Agra were present - informed Shri Rakesh Kumar, Director General EPCH.

Shri Rajesh Rawat, Addl. Executive Director - EPCH welcomed all the officials from DGFT, UP Police - Cyber Crime, CoA members EPCH and the leading exporters from Agra. He informed that today's seminar is organized to facilitate the exporters to understand measures to safeguard business from Cyber Crime and get indepth knowledge of latest Design, Trends & Forecast in Handicrafts. He further said that EPCH has always been at the forefront of organizing series of awareness seminars through expert faculties on a pan-India basis for member exporters.

Shri Avdesh Agrawal, Co-opted Member - CoA, EPCH & President - IHGF Delhi Fair Spring 2023 Reception Committee said business information is a priceless asset that needs to be protected from unauthorised access, modification, and disclosure. Preventive measures are always the best line of defence against cybercriminals. In the current business environment, cybersecurity has become more crucial, so member exporters need to be made aware of the safety precautions.

Shri Rajat Asthana, Joint Convenor - Regional Committee Central Region, EPCH said that post-pandemic reflection fosters a sense of perspective. Customers are enthused about discovering and savouring new facets of their own personalities. Exporters must comprehend the consumer's mindset before designing and developing their products.

Shri Anuj Kumar, Joint Commissioner Industries & GM DIC, Agra informed that District Industries Centers are run and managed at the district level to give entrepreneurs or first-time business owners all the support services they need to launch their own MSMEs. Additionally, DICs support the creation and growth of industrial cooperatives. He also urged exporters to forward their intent on 'Nivesh Sarthi' portal so that Uttar Pradesh government and DIC will be able to understand the sector requirement and will enable them to formulate policies accordingly.

Dr. Mukesh Sharma (IES), Asstt. Director MSME Development & Facilitation Office, Agra informed that The Ministry of MSME, Government of India, plays a crucial role in shaping and promoting MSMEs from the country as handicrafts are a cottage industry dominated by MSME exporters, and various incentives and initiatives are being under taken by MSME to promote schemes. He further said that MSME department has launched 'Champions portal' & 'Samadhan portal' to help MSMEs in difficult situations like finance, raw material, labour, permissions etc.

Shri Sultan Singh, Inspector (In-charge), Cyber Cell U.P. Police alongwith Shri Vijay Tomar, CCO Cyber Cell U.P Police informed participants that offenses related to cybercrime are on the rise, as cybercriminals exploit people's vulnerabilities. The most common type of online fraud is related to banks, in which fraudsters pose as bank officials and persuade victims to share OTP, KYC updates, and sometimes send links to be clicked in order to access bank accounts. Officials reassured that the police are always ready to assist victims of cybercrime and urged them to remain vigilant, aware, and not hesitate to report any such cases. They also discussed various types of cybercrime and provided the SMART Model for avoiding them.

Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security expert made an informative presentation on how cybercrime occurs and the recent increase in cases. He gave examples of personal information hacking, major business threats such as ransomware, data breaches, impersonations, sim-swapping, financial frauds, and so on. He also provided tips on how to prevent cybercrime, such as Protection from viruses and malware by using effective anti-virus software, for the operating system and internet security software updated software is crucial, on social media platforms all private information should be kept locked, etc.

Shri Rakesh Kumar, Asst. DGFT, Zonal DGFT CLA Kanpur said that DGFT schemes & incentives have played a pivotal role in promotion of India's exports. Schemes like Interest Equalisation Scheme, EPCG scheme, MAI scheme, DFIA & other schemes are available for exporters to help them increase their exports.

Ms Amla Srivastava, Head Designer – EPCH virtually informed the participants about the emerging trend and designs for 2024 that the global market is looking and manufacturers should prioritise taking into account the most recent trends through which customers are attracted.

Various questions pertaining to Design, Trend & Forecast, Cyber Security Ways, Marketing and Compliances etc. were asked by the participants. The officials addressed all the questions and provided solutions to the exporters.

EPCH is a nodal agency for promoting exports of handicrafts from the Country to various destinations of the world and projecting India's image abroad as reliable supplier of high quality of handicrafts goods & services. The Handicrafts exports during the year 2021-22 was Rs. 33253.00 Crores (US \$ 4459.76 Million) registering a growth of 29.49% in rupee term & 28.90% in dollar terms over the previous year, informed by Mr. Rakesh Kumar, Director General, EPCH.

For more information please contact:

Shri Rakesh Kumar, Director General– EPCH:
+91- 9818272171

Hindi & English with Photos Enclosed:



Photo 1 – Shri Avdesh Aggarwal, Member COA - EPCH & President – IHGF Delhi Fair Spring 2023 Reception Committee addressing the august gathering of exporters alongwith Shri Rakesh Kumar, Asst. DGFT, Zonal DGFT CLA Kanpur; Shri Anuj Kumar, Joint Commissioner Industries & GM DIC, Agra; Shri Sultan Singh, Inspector (In-charge), Crime Cell Uttar Pradesh Police; Mr. Rakshit Tandon, Cyber Security expert; Shri Rajat Asthana, Joint Convenor – Regional Committee Central Region, EPCH & leading exporters from Agra during awareness seminar organized On ‘How to Safeguard Your Business from Cyber Crime’ and “Design, Trends & Forecast for Handicraft Exporters today (On 14th January, 2023).



Photo 2 – Shri Rajat Asthana, President, Handicrafts Exporters Association, Agra welcoming Shri Avdesh Aggarwal, Member COA - EPCH & President – IHGF Delhi Fair Spring 2023 Reception Committee, Shri Sultan Singh, Inspector (In-charge), Crime Cell Uttar Pradesh Police; also seen in the picture



Photo 3 : A view of participants of seminar